Two Day International Conference on 'Viksit Bharat@2047'

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Impressive Times **Date: 11-09-2025**

International Conference on Global Collaboration for Sustainable Development inaugurates at CUH

Dipesh Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDERGARH : The Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, inaugurated a two-day International Conference on "Global Synergies for Viksit Bharat: Innovations in Banking, Finance, and Business Management for Sustainable Development" on Wednesday. The event, organized in collaboration with the Indian Accounting Association and Vidya Bharati Uchcha Shikshan Sansthan, focuses on innovations and global cooperation to achieve the vision of Viksit Bharat 2047. The inaugural session was graced by Prof. Alok Kumar Chakrawal, Vice-Chancellor, Guru Ghasidas University, Bilaspur, Chhattisgarh, as the Chief Guest, and Prof. Raj Nehru, Former Vice-Chancellor of Shri Vishwakarma Skill University and OSD to the Chief Minister of Haryana, as the Guest of Honour. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH presided over the session. Prof. Pawan Kumar Sharma, Pro-Vice Chancellor, CUH was also present on this occasion. Prof. Raj Nehru told about India's ancient knowledge traditions and motivated students to embrace risk-taking as a path to success. He emphasized the need to revive India's traditional education systems that promote problem-solving and holistic development. Highlighting the nation's civilizational strengths, he encouraged the youth to pursue skill-based education, entrepreneurship, and employment generation to contribute towards building a developed India by 2047.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 11-09-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते प्रो. राज नेहरू। स्रोत :हकेंवि

सफलता के लिए जोखिम लेने की क्षमता जरूरी : राज नेहरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में बुधवार से वैश्विक सहयोग : सतत विकास के लिए बैंकिंग, वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए बैंकिंग, वित्त और व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचार और वैश्विक सहयोग की संभावनाओं पर मंथन किया। सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें 25 राज्यों से पंजीकृत छात्र-छात्राओं के साथ 20 से अधिक केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों और विभिन्न संस्थानों के शोधार्थी और विशेषज्ञ भी हैं।

भारतीय लेखा परिषद, विद्या भारती उच्च शिक्षण संस्थान के सहयोग के आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय गुरुग्राम के पूर्व कुलपति और हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रो. राज नेहरू उपस्थित रहे।

सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की। कार्यक्रम की सचिव प्रो. सुमन ने विभिन्न सत्रों में होने वाली चर्चाओं की जानकारी दी। प्रो. राज नेहरू ने कहा कि सफलता के लिए जोखिम लेने की क्षमता जरूरी है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के के लिए हमें उसी मार्ग की ओर बढ़ना होगा।

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने रोजगार सृजन और व्यवसाय के विकास की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने की प्रेरणा दी। कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए जरूरी है कि हम इस दिशा में जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें। युवाओं को बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को तैयार करने की आवश्यकता है।

आज जिस तेजी से तकनीकी बदलाव जारी है, उसे देखते हुए किताबी ज्ञान के साथ-साथ तकनीकी ज्ञान और समय के अनुरूप प्रशिक्षण अनिवार्य है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आज समय है नवाचार पर निवेश करने की है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 11-09-2025**

नवाचार पर निवेश मल्टीपल रिटर्न प्रदान कर सकता है : प्रो . टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बुधवार से वैश्विक सहयोगः सतत विकास हेतु बैंकिंग, वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए बैंकिंग, वित्त और व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचार और वैश्विक सहयोग की संभावनाओं पर विमर्श करना है। भारतीय लेखा परिषद्, विद्या भारती उच्च शिक्षण संस्थान के सहयोग के आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के पूर्व कुलपति तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) प्रो. राज नेहरु उपस्थित रहे जबकि सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की।

इस अवसर पर हकेंवि के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा भी संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन के समन्वयक प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत व परिचय प्रस्तुत करते हुए उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सचिव प्रो. सुमन ने इस आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और विभिन्न सत्रों में होने वाली चर्चाओं की जानकारी प्रतिभागियों को दी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता प्रो. राज नेहरु ने भारतीय ज्ञान परम्परा का उल्लेख करते हुए युवाओं को सफलता के लिए जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से युवाओं को स्टार्टअप शुरु करने की प्रेरणा दी और कहा कि विकसित भारत के निर्माण हेतु जरुरी है कि हम इस दिशा में जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें।

कुलपति ने कहा कि विकसित भारत पर केंद्रित विमर्श आधारित इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज समय नवाचार पर निवेश करने का है। यही वह माध्यम है जो आपको मल्टीपल रिटर्न प्रदान कर सकता है। कुलपति ने युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप और अपने व्यवसाय शुरु करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इस प्रयास में शैक्षणिक स्तर पर भी नीति निर्धारित की शिक्षकों व विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष व आयोजन की सह-निदेशक प्रो. सुशीला सोरिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सम्मेलन निदेशक प्रो. रंजन अनेजा, आयोजन सचिव डा. अजय कुमार, डा. रविंद्र कौर, डा. भूपण सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

हकेंवि में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता प्रो . राज नेहरु को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार • सौः हकेंवि

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 11-09-2025**

हकेंवि में विकसित भारत 2047 पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

युवाओं को बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप तकनीकी ज्ञान का होना जरूरी : आलोक चक्रवाल

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार से 'वैश्विक सहयोगः सतत विकास हेतु बैंकिंग, वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। आयोजन का उद्देश्य विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए बैंकिंग, वित्त व व्यवसाय प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचार और सहयोग की संभावनाओं पर विमर्श करना है। सम्मेलन का आयोजन भारतीय लेखा परिषद व विद्या भारती उच्च शिक्षण संस्थान के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल मुख्य अतिथि और श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के पूर्व कुलपति व मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रो. राज नेहरू विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की जबकि सम्कुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे। समन्वयक प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीना ने स्वागत भाषण दिया और सचिव प्रो. सुमन ने उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रो. राज नेहरु ने युवाओं को जोखिम लेने और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित शिक्षा पद्धति अपनाने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि प्रो. चक्रवाल ने युवाओं को स्टार्टअप व तकनीकी कौशल अपनाने की दिशा में प्रेरित किया और कहा कि बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप तकनीकी ज्ञान आवश्यक है।

सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 25 राज्यों और 20 से अधिक केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों के शोधार्थी शामिल रहे। आयोजन में प्रो. सुशीला सोरिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navodaya Times **Date: 11-09-2025**

विकसित भारत 2047 पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

महेंद्रगढ़, 10 सितंबर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार से वैश्विक सहयोग: सतत विकास हेतु बैंकिंग, वित्त और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के पूर्व कुलपति तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री के विशेष कर्त्तव्य अधिकारी (ओएसडी) प्रो. राज नेहरु उपस्थित रहे जबकि सम्मेलन की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार की। इस अवसर पर हकेवि के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा भी संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन व विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ हुई। आयोजन समन्वयक प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीना ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की सचिव प्रो. सुमन ने इस आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और विभिन्न सत्रों में होने वाली चर्चाओं की जानकारी प्रतिभागियों को दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि व मुख्य वक्ता प्रो. राज नेहरु ने भारतीय ज्ञान परम्परा का उल्लेख करते हुए युवाओं को सफलता के लिए जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। आयोजन के मुख्य अतिथि प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने विस्तार से रोजगार सृजन और व्यवसाय के विकास की ओर ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया और विकसित भारत पर केंद्रित विमर्श आधारित इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों की सराहना की। कुलपति ने इस मौके पर कहा कि आज समय है नवाचार पर निवेश करने की है।

कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष व आयोजन की सह-निदेशक प्रो. सुशीला सोरिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सम्मेलन निदेशक प्रो. रंजन अनेजा, आयोजन सचिव डा. अजय कुमार, डा. रविंद्र कौर, डा. भूषण सिंह ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 300 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 25 राज्यों से पंजीकृत छात्र-छात्राओं के साथ-साथ 20 से अधिक केंद्रीय विवि, राज्य विश्वविद्यालयों और विभिन्न संस्थानों के शोधार्थी और विशेषज्ञ भी प्रतिभागिता कर रहे हैं। संचालन सहायक आचार्य डा. नीरज कर्ण सिंह ने किया।

हकेवि में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता प्रो. राज नेहरु को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 11-09-2025**

हकेंवि में विकसित भारत 2047 विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ ,(पंजाब केसरी): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा 'विकसित भारत 2047 के लिए वैश्विक सहभागिता: सतत विकास के लिए बैंकिंग, वित्त एवं व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को समापन हो गया। यह सम्मेलन भारतीय लेखा संघ की दक्षिण हरियाणा शाखा एवं सेंटर फॉर सस्टेनेबल पाथवे टू विकसित भारत के सहयोग से तथा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा के नॉलेज पार्टनर के रूप में सम्पन्न हुआ। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रख्यात शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संबोधन में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में अकादमिक जगत की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए कहा कि बैंकिंग और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार सतत एवं समावेशी विकास के लिए अनिवार्य हैं।समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. यादव, पूर्व कुलपति, आरआरबीएम विश्वविद्यालय, अलवर ने वक्तव्य देते हुए कहा कि भारत की 2047 तक की यात्रा केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नैतिक शासन, वित्तीय साक्षरता और प्रौद्योगिकी व मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन भी आवश्यक है। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रो. एन.के. बिश्नोई, अधिष्ठाता, अर्थशास्त्र विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार ने आयोजकों को शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए बधाई दी।इसी क्रम में हकेंवि के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने विकास के लिए अंतर्विषयी शोध को आवश्यक बताया। सम्मेलन ने हकेंवि के शोधार्थियों और विद्यार्थियों को वैश्विक विशेषज्ञों से संवाद का अवसर प्रदान किया। दो दिवसीय इस सम्मेलन में लगभग 346 पंजीकरण हुए। समापन सत्र का संचालन आयोजन सचिव डॉ. अजय कुमार ने किया।इस अवसर पर संयोजक व वाणिज्य विभाग के प्रो. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सम्मेलन के सफल आयोजन में वाणिज्य विभागाध्यक्ष व सह-निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया, सम्मेलन सचिव प्रो. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. भूषण सिंह, डॉ. मोहित, शोधार्थी प्रेरणा, अनु, मोनिका, हेमलता, मांशी, सचिन, अशोक व निलिम में सक्रिय भागीदारी की।

पंजाब केसरी
Fri, 12 September 2025
https://mpaper.punjabkesari.com/c/78140600

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 12-09-2025**

हकेंवि में विकसित भारत 2047 विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के वाणिज्य विभाग द्वारा 'विकसित भारत 2047 हेतु वैश्विक सहभागिताः सतत विकास के लिए बैंकिंग, वित्त एवं व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को समापन हो गया। यह सम्मेलन भारतीय लेखा संघ की दक्षिण हरियाणा शाखा एवं सेंटर फॉर सस्टेनेबल पाथवे टू विकसित भारत के सहयोग व विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा के नॉलेज पार्टनर के रूप में सम्पन्न हुआ।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में अकादमिक जगत की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए कहा कि बैंकिंग और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार सतत एवं समावेशी विकास के लिए अनिवार्य हैं। मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. यादव, पूर्व कुलपति, आरआरबीएम विश्वविद्यालय, अलवर ने कहा कि भारत की 2047 तक की यात्रा केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नैतिक शासन, वित्तीय साक्षरता और प्रौद्योगिकी व मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन भी आवश्यक है। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रो. एन.के. बिश्नोई, अधिष्ठाता, अर्थशास्त्र विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार ने आयोजकों को शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए बधाई दी।

सम्मेलन के सफल आयोजन में वाणिज्य विभागाध्यक्ष व सह-निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया, सम्मेलन सचिव प्रो. सुमन, डॉ. रविंद्र कौर, डॉ. भूषण सिंह, डॉ. मोहित, शोधार्थी प्रेरणा, अनु, मोनिका, हेमलता, मांशी, सचिन, अशोक व नीलिमा में सक्रिय भागीदारी की।

Newspaper: Dainik Chetna Date: 12-09-2025

बैंकिंग और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार सतत् एवं समावेशी विकास के लिए अनिवार्य

हकेवि में विकसित भारत 2047 विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा 'विकसित भारत 2047 हेतु वैश्विक सहभागिता: सतत विकास के लिए बैंकिंग, वित्त एवं व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार' विषय पर केंद्रित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को समापन हो गया। यह सम्मेलन भारतीय लेखा संघ की दक्षिण हरियाणा शाखा एवं सेंटर फॉर सस्टेनेबल पाथवे टू विकसित भारत के सहयोग से तथा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा के नॉलेज पार्टनर के रूप में सम्पन्न हुआ। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रख्यात शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संबोधन में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में अकादमिक जगत की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए कहा कि बैंकिंग और व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार सतत एवं समावेशी विकास के लिए अनिवार्य हैं। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. जे.पी. यादव, पूर्व कुलपति, आरआरबीएम विश्वविद्यालय, अलवर ने वक्तव्य देते हुए कहा कि भारत की 2047 तक की यात्रा केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें नैतिक शासन, वित्तीय साक्षरता और प्रौद्योगिकी व मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन भी आवश्यक है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited ‘A’ Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 12-09-2025**

दो दिवसीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा विकसित भारत 2047 के लिए वैश्विक सहभागिताः सतत विकास के लिए बैंकिंग, वित्त एवं व्यवसाय प्रबंधन में नवाचार विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सम्मेलन का समापन हुआ। सम्मेलन भारतीय लेखा संघ की दक्षिण हरियाणा शाखा एवं सेंटर फॉर सस्टेनेबल पाथवे टू विकसित भारत के सहयोग से तथा विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, हरियाणा के नॉलेज पार्टनर के रूप में सम्पन्न हुआ। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: India News Calling **Date: 12-09-2025**

Two days International Conference concluded at CUH

September 11, 2025 07:21 PM

MAHENDERGARH, 11.09.25-The Department of Commerce, Central University of Haryana, (CUH), Mahendergarh successfully concluded its two-day International Conference on "Global Synergies for Viksit Bharat 2047: Innovations in Banking, Finance & Business Management for Sustainable Development" with a grand valedictory session on September 11, 2025. Organized in collaboration with the Indian Accounting Association (South Haryana Branch) and the Centre for Sustainable Pathways to Viksit Bharat, with Vidya Bharati Uchcha Shiksha Sansthan, Haryana as the Knowledge Partner, the conference witnessed the presence of eminent academicians, scholars, and researchers from across the nation.

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University and Chief Patron of the conference, in his address emphasized the significant role of academia in realizing India's vision of Viksit Bharat 2047, noting that innovations in banking and business management are vital for sustainable and inclusive growth.

Chief Guest Prof. (Dr.) J.P. Yadav, Former Vice Chancellor of RRBM University, Alwar, delivered an inspiring speech, highlighting that India's journey towards 2047 requires not just economic progress but also ethical governance, financial literacy, and a balance of technology with human values. Prof. Pawan Kumar Sharma, Pro Vice Chancellor of CUH, underscored the importance of interdisciplinary research in building global synergies for development, while Prof. N.K. Bishnoi, Dean, Dept. of Economics, Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar, Guests of Honour, congratulated the organizers for fostering academic excellence through such collaborative platforms.

This platform provides an opportunity to for young researchers and students of CUH to interact with global experts, enhancing their academic exposure and encouraging cross-cultural understanding with exchange innovative ideas and strengthen academic partnerships beyond borders."

A total of 346 registrations approximately has been received, representing 23 states of India, 94 universities and colleges are represented, out of which 21 Central Universities ,41 State and Private Universities, 30 colleges, 2 foreign delegates.

The valedictory session was coordinated under the leadership of Dr. Ajay Kumar, Organizing Secretary, along with; Prof. Rajendra Prasad Meena, Convenor, Department of Commerce delivered the vote of thanks to all the participants and Organizing team; Prof. Shushila Kumari Sooriya, Co-Director and Head of Commerce; and Prof. Suman, Conference Secretary, Department of Commerce. In their closing remarks, the dignitaries commended the scholarly contributions of participants and emphasized that such academic gatherings serve as think tanks for shaping policies and strategies crucial to India's economic and social